दिनांक- 04/12/2021

इंदौर- टंट्या मामा के स्मृति में नेहरु स्टेडियम पर कार्यक्रम,

सीएम शिवराज सिंह चौहान का संबोधन....LIVE

आज अमर शहीद जननायक क्रांतिसूर्य टंट्या भील के बलिदान दिवस पर उपस्थित मेरे बहनों और भाइयों आप सबको दोनों हाथ जोड़कर राम-राम करता हूं । आप सब को प्रणाम मेरे बहनों और भाइयों, क्रांतिसूर्य टंट्या मामा को प्रणाम, बड़ौदा अहीर की पावन धरती जहां टंट्या मामा ने जन्म लिया, धरती को प्रणाम करता हूं । अभी हम पातालपानी से आ रहे हैं, गवर्नर साहब के साथ गए थे, उस पवित्र माटी को प्रणाम करता हूं । अंग्रेजों में इतनी हिम्मत नहीं थी कि फाँसी देने के बाद वीर टंट्या मामा के शव को सौंप दें किसी को, डर गए पातालपानी के पास डाल कर चले गए, टंट्या मामा धन्य हो, बारंबार प्रणाम ! तुम्हारे नाम से इंग्लैंड तक में अंग्रेज डरते थे । पता है आपको, अंग्रेजों ने पकड़ने के लिए टंट्या पुलिस बनाई थी अलग, सामान्य पुलिस की हिम्मत नहीं थी, पुलिस भी टंट्या मामा को नहीं पकड़ पाई, एक घर के भेदी ने लंका ढाई, गद्दारी की और जब टंट्या मामा अपनी मुंह बोली बहन के पास राखी बंधवाने गए तब धोखे से गिरफ्तार किए गए । धन्य हो वीर टंट्या भील आपने अंग्रेजों के खिलाफ हथियार उठाए, जिन्होंने गुलाम बना रखा था भारत मां को, उन्होंने अपने हथियार उठाए गरीबों का खून चूसने वालों के खिलाफ, गरीबों को लूटने वालों के खिलाफ । मुझे कहते हुए गर्व है कि वीर टंट्या के हाथ उठे थे, गरीबों का खून चूसने वालों के खिलाफ, अंग्रेजी खजाने को वह अपने कब्जे में लेते थे और जो अनाज और पैसा मिलता था कभी टंट्या मामा ने अपने पास नहीं रखा, उसको बांट दिया, गरीबों में बांट देते थे और इसलिए टंट्या मामा कहलाए वीर टंट्या भील । आज मुझे कहते हुए गर्व कि पातालपानी में उनका विशाल स्मारक बनाने का हमने फैसला किया हैं, आज एक सवाल मैं पूछना चाहता हूं, कांग्रेस के मित्रों से पूछना चाहता हूं, उनको जवाब देना पड़ेगा, बरसों बरस तुम ने राज किया, क्यों भुला दिया टंट्या मामा को । कांग्रेस के जमाने में तो हमें पढ़ाया गया हिंदुस्तान को आजादी गांधी जी ने दिलवाई, पंडित नेहरु जी ने, इंदिरा जी ने दिलवाई, कांग्रेसी भूल गए टंट्या मामा को, कांग्रेसी भूल गए भीमा नायक को, कांग्रेसी भूल गए राजा शंकर शाह, रघुनाथ शाह को, कांग्रेसी भूल गए भगवान बिरसा मुंडा को, कांग्रेसी भूल गए

बादलभोई को, कांग्रेसी भूल गए राजा विभूति सिंह को, अरे उनकी समाधि पर एक दिया भी नहीं लगाया, जिनके लहू से मिली थी आजादी, वतन के लिए जिन्होंने सब कुछ दे दिया, खून की अंतिम बूंदे दी, उन्हीं को भूल गए । लेकिन आज मुझे कहते हुए संकोच है । मैं माफी चाहता हूं आप धूप में बैठे हैं, पसीना बहा रहे हैं, ज्यादा तकलीफ तो नहीं हो रही, अरे ज्यादा परेशान तो नहीं हो, अरे हमने कोशिश की थी महू में कितना बड़ा टेंट लगाया था, लेकिन पानी आ गया, प्रकृति परीक्षा ले रही है, लेकिन आदिवासी वीर घंटों से धूप में बैठे हैं । मैं तकलीफ के लिए माफी चाहता हूं, लेकिन बैठे हैं टंट्या मामा के स्मरण के लिए, आज मुझे मन में संकोच है कि बरसों से जो वीर उपेक्षित थे आज उनका सम्मान करने का मौका आया है । पूजे न गए शहीद तो फिर यह मंत्र कौन अपनाएगा, तोपों के मुंह से कौन अकड़ छातियां अपनी अड़ाएगा, चूमेगा फंदे कौन गोलियां कौन खाएगा, अपने हाथों अपने मस्तक फिर आगे कौन बढ़ाएगा, पूजे न गए शहीद तो फिर यह बीज कहां से आएगा, धरती को मां कहकर माटी माथे से कौन लगाएगा, हर साल धूमधाम से यह बलिदान दिवस मनाया जाएगा, शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर वर्ष मेले, लेकिन मेरे बहनों और भाइयों मैं केवल यह कहने नहीं आया कि, केवल बलिदान दिवस मनाया जाएगा । बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ठीक कह रहे थे, अटल बिहारी वाजपेयी जी की सबसे पहले केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने यह तय किया कि, आदिवासियों का अलग मंत्रालय होगा, कांग्रेसियों तुम तो 50 साल अलग मंत्रालय भी आदिवासी भाई-बहन को नहीं दे पाए, यह अटल बिहारी वाजपेयी थे, जिन्होंने तय किया कि मेरे आदिवासी भाई-बहनों के वर्षों से जमीन पर कब्जे में थे, पट्टे नहीं थे, अटल जी ने तय किया वन भूमि के पट्टे दिए जाएंगे, पट्टे देने का अभियान उन्होंने प्रारंभ किया । हमारे प्रधानमंत्री जी का आज आभार प्रकट करना चाहता हूं, उन्होंने तय किया आजादी 75 वें इस वर्ष में जनजाति, जन नायकों की वीरगाथा को हिंदुस्तान के 130 करोड़ भारतीयों को पढ़ाया जाएगा, उन तक पहुंचाया जाएगा, और इसलिए उन्होंने आजादी में योगदान देने वाले ऐसे वीरों के लिए 15 नवंबर को भगवान बिरसा जी के जन्मदिवस पर जनजातीय गौरव दिवस मनाने का फैसला किया । एक बार ताली बजाकर स्वागत कीजिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का । मैं मोदी जी को इसलिए भी धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने जनजातीय गौरव दिवस पर भोपाल में पधार कर हमारी जिंदगी बदलने वाली योजनाओं को प्रारंभ किया, मैं उनको इसलिए भी धन्यवाद देना चाहता हूं कि भोपाल के हबीबगंज स्टेशन का नाम उन्होंने बदल कर रानी कमलापति रेलवे स्टेशन कर दिया, जो आदिवासी रानी थी । मैं इसलिए भी धन्यवाद देता हूं कि रानी दुर्गावती के अदम्य साहस को उन्होंने प्रणाम किया, और

अमित शाह जी को इसलिए धन्यवाद देना चाहता हूं कि, उन्होंने 18 सितंबर के दिन जनजातीय गौरव सम्मान समारोह में पधार कर, जनजातीय भाई-बहन और हमारे क्रांतिकारी शंकर शाह, रघुनाथ शाह की प्रतिमा का अनावरण करके आपके कल्याण की योजना घोषित की । यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, जो हमारी जिंदगी बचाने का अभियान चलाए हुए हैं, फ्री में टीका अगर दिया कोरोना का तो सब ने टीका लगवाया कि नहीं, जिन्होंने लगवाया है हाथ उठाओ जरा, भैया जिन्होंने नहीं लगवाया वह जरूर लगवा लेना दादा, दोनों हाथ जोड़कर कह रहा हूं, बहुत ही जरूरी है जिंदगी बचाने के लिए, अब ओमिक्रोम पता नहीं कौन सा आ रहा है । अरे धन्यवाद मोदी जी आपने टीका दे दिया, हमारी जिंदगी को सुरक्षित कवच दिया, फ्री अनाज देने के लिए धन्यवाद, प्रधानमंत्री आवास देने के लिए धन्यवाद, कितने धन्यवाद दूं, लेकिन आज एक बात मेरी ध्यान से सुनना, सुन रहे हो कि नहीं, सुन रहे हो तो जोर से बताओ, सुन रहे हो तो सुनो रे मेरे बहनों और भाइयों, आज का यह कार्यक्रम केवल कार्यक्रम नहीं है, आदिवासी जनजातीय भाइयों और बहनों तुम्हारी जिंदगी बदलने का अभियान है, हम जिंदगी बदल कर रहेंगे । आपकी जिंदगी में आनंद और प्रसन्नता के क्षण आए यह जरूरी है कि नहीं, 21% से ज्यादा आबादी हमारी, मैं आज कहना चाहता हूं बरसों से बात चल रही थी, पेसा एक्ट की, पेसा एक्ट लागू करो । आज इस कार्यक्रम में मैं आपके बीच वह शुभ समाचार दे रहा हूं, अधिसूचना पढ़कर सुना रहा हूं ।

आदिवासी बेटा-बेटियों प्रधानमंत्री के आशीर्वाद से तुम्हारा मामा शिवराज सिंह चौहान मध्य प्रदेश की धरती पर आज से पेसा एक्ट लागू करने का शुभारंभ कर रहा है । इस पर तो जोर से जय हो जाए, भारत माता की, टंट्या मामा की, मध्यप्रदेश शासन पंचायत ग्रामीण विकास मंत्रालय की अधिसूचना मेरे सांसद और विधायक मित्र तुम भी सुन लो, जय भारतीय जनता पार्टी और मामा है । अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायत के लिए विशिष्ट प्रावधान के अनुक्रम में मध्यप्रदेश पंचायत राज और ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 क्रमांक 1 सन 94 की धारा 29 ख में प्रबध शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए राज्य सरकार द्वारा अनुसूचित क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी राजस्व ग्रामों को धारा 129 क ख में परिभाषित ग्राम के रूप में अधिसूचित करती है । अब यह समझ में आया कि नहीं आया इसका मतलब है पेसा एक्ट के प्रावधानों के तहत अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने का फैसला कर लिया गया है । पेसा एक्ट

की भावना के अनुरूप ग्राम सभा मनाने के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है । हमें पानी पी पी के कोसने वालो जब तुम्हारी सरकार आई थी तुमने पेसा एक्ट के लिए क्या किया, बता दो, और कुछ तो विधायक बन गए, बात करते रहे, आंदोलन चलाते रहे, तुमने क्या किया, शिवराज सिंह चौहान और भारतीय जनता पार्टी की सरकार आज यह लागू कर रही है । ग्राम सभा सशक्त होंगी, ग्राम सभा को अधिकार दिए जा रहे हैं, ताकि इन गांव में रहने वाले इन भाई और बहनों की जिंदगी बदल सके । केवल इतना ही नहीं मेरे बहनों और भाइयों हमने पहले भी जो फैसले किए हमने 2 लाख 34 हजार लोगों को पट्टे दिए, आज फिर सुन लेना कान खोल कर सुन लेना, सुन रहे हो कि नहीं सुन रहे हो, जोर से बताओ सुन रहे हो कि नहीं तो सुनो, यह पट्टा देना बंद नहीं होगा कई भाई-बहन अभी भी रह गए हैं । कानून के चक्कर में उनको उलझा दिया गया और इसलिए जिनके दिसंबर 2006 के पहले के कब्जे हैं विजय शाह जी उनको पट्टे मेरे मित्र दिए जाएंगे । मीना सिंह जी, विजय शाह जी फिर से अभियान शुरू कर दो, कोई आदिवासी भाई और बहन वंचित नहीं रहना चाहिए ।

बोलिए टंट्या मामा की...जय और एक बात और जितने भी हमारे गरीब आदिवासी भाइयों और बहनों पर कई पुराने छोटे-मोटे मामले चल रहे थे, पुलिस के पास चक्कर लगाए, अदालतों में जाएं और इनमे से अनेकों मामले बहुत छोटे-छोटे थे । मैं आज घोषणा कर रहा हूं कि आदिवासी भाइयों और बहनों पर जो छोटे-मोटे मामले चल रहे हैं उन सब को वापस ले लिया जाएगा, बोलो ठीक है कि नहीं जोर से बोलो ठीक है कि नहीं, चक्कर खत्म यार कहां चक्कर लगायें अदालतों के । जितना कमाया उसी में चला जाए, यह नहीं होगा मेरे बहनों और भाइयों एक योजना और कई जगह समस्या नहीं है, लेकिन कुछ जगह बड़ी-बड़ी समस्याएं हैं । शहरों में उसके आसपास ऐसे गांव हैं जहां आदिवासी हमारे जनजाति भाई-बहन कम संख्या में रहते हैं, एक घर में कई परिवार रह रहे हैं और कई परिवार क्यों रह रहे हैं पता चला कि दादाजी के चार बेटे हो गए, उनकी बहू आ गई, उनके बेटे-बेटियों की शादी हो गई, उनके बेटे-बेटियों की शादी हो गई, तो एक घर में 25-30 रह रहे हैं । इसलिए हमने तय किया है कि एक परिवार मतलब पति-पत्नी और उसके बच्चे अगर भाइयों के भी 4 परिवार रह रहे हैं तो 4 परिवार माने जाएंगे, ऐसे परिवार जिनको रहने के लिए जगह नहीं है, उनको फिर से अलग जमीन पर पट्टा देकर रहने की जमीन का मालिक बनाया जाएगा । बोलो बनाना चाहिए की नहीं । हमें गगनचुंबी अट्टालिका नहीं चाहिए, रहने के लिए जमीन का टुकड़ा तो चाहिए और इसलिए मुख्यमंत्री

आवासीय भू-अधिकार योजना लागू करने का हम फैसला कर रहे हैं । हम सरकारी जमीन पर पट्टा देंगे और गरीबों के लिए अगर जरूरत पड़ी तो खरीद कर भी दे देंगे, बहनों और भाइयों खरीद कर भी दे देंगे, आपकी जिंदगी बदलने का अभियान है, गरीबों की जिंदगी बदलने का अभियान है, यह जो भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने चलाया है । हमने तय किया कई जगह मुझे बताया कि मामा राशन तो मिलता है लेकिन, दूसरे गांव जाना पड़ता है, आने-जाने में ही मजदूरी लग जाती है, मजदूरी मारी जाती है । इसलिए हमने तय किया कि 89 आदिवासी विकास खंडों में अब यह अनाज लेने आदिवासी भाई और बहन को दूसरे गांव नहीं जाना पड़ेगा । अब गाड़ी में रखकर अनाज हर गांव ले जाया जाएगा और गांव-गांव जाकर राशन बांटा जाएगा, बोलो ठीक है कि नहीं और गाड़ी भी सरकार की नहीं होगी, हमारा जनजाति बेटा-बेटी, आदिवासी बेटा-बेटी गाड़ी फाइनेंस करवाएगा, लेकिन बैंक में जाते ही फाइनेंस के पहले गारंटी मांगते हैं, गारंटी की व्यवस्था है तो गारंटी कौन देगा, मामा देगा, और मार्जिन मनी की भी जरूरत पड़ती है, पहले पैसे जमा करने पड़ते हैं न, 2 लाख-3 लाख लाओ तो इतना पैसा है क्या, तो पैसा कौन जमा करवाएगा, चिंता काहे करते हो, भारतीय जनता पार्टी की सरकार अब यह राशन आपके ग्राम योजना प्रारंभ हो गई है ।

मेरे बेटा-बेटियाँ, पढ़े-लिखे बेटा-बेटियाँ बेरोजगारी के कारण परेशान है तो दो चीजें नंबर 1 बैकलॉग के पदों पर भर्ती की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है । 1 लाख भर्ती की जाएगी, हम एक तरफ बैकलॉग पदों की भर्ती भी करेंगे और दूसरी तरफ सबको नौकरी नहीं मिल सकती यह भी सच है, पढ़ाई का मतलब केवल नौकरी नहीं है और सुनो रे मेरे बेटा-बेटियों एक योजना मुख्यमंत्री उद्धम क्रांति योजना हम प्रारंभ कर रहे हैं । इसमें 50 लाख रुपए तक का लोन दिया जाएगा जिस की गारंटी कौन लेगा, अरे कौन लेगा, और 3% ब्याज भी मामा भरवाएगा । आज मध्य प्रदेश की व्यवसायिक राजधानी में मैं अपने जनजाति बेटा-बेटियों से भी कहता हूं, बाकी गरीब बेटा-बेटियों से भी कहता हूं, नौकरी मांगने वाले नहीं तुम नौकरी देने वाले बनने की कोशिश करो । तुम्हारे साथ भारतीय जनता पार्टी की सरकार खड़ी है, बिजनेस में आओ, व्यापार में आओ, उद्योग लगाओ, भरपूर मदद करेंगे, बेटा-बेटियों बड़े नहीं तो छोटे-छोटे लगाओ, हम को रोजगार के बाकी साधन भी ढूंढने पड़ेंगे, एक नहीं ऐसे अनेकों उपाय चाहे प्रधानमंत्री की मुद्रा बैंक की योजना हो, लोन की योजना हो, पीएम स्ट्रीट वेंडर की योजना हो, सीएम स्ट्रीट वेंडर योजना हो या आजीविका मिशन के अंतर्गत मेरी गरीब बहनों को लोन देकर उनकी आजीविका

शुरू करना हो, कोई कसर नहीं छोड़ेंगे । मेरे बच्चे बताओ व्यापार में आओगे क्या, अरे जोर से बताओ आओगे, उद्योग छोटे-मोटे लगाओगे, क्यों नहीं लगा सकते, हममें क्षमता है, प्रतिभा है, थोड़ा साथ मिले तो मेरे यह बच्चे चमत्कार कर सकते हैं, उस दिशा में भी हम कदम उठा रहे हैं । गवर्नर साहब बैठे हैं, मैं उनको प्रणाम करता हूं । इन्होंने मिशन चालू किया सिकल सेल के खिलाफ, गुजरात की पवित्र धरती पर । अब इस मध्यप्रदेश में भी सिकल सेल एनीमिया के खिलाफ अभियान शुरू किया जाएगा । मैं जानता हूं कितना कठिन इलाज होता है और जिंदगी कितनी तकलीफ भरी होती है, लेकिन उसके इलाज के लिए भी पैसों की व्यवस्था भारतीय जनता पार्टी की सरकार करेगी, चिंता मत करना मेरे बहनों और भाइयों ।

आदिवासी जनजाति क्षेत्रों में भी पूरे मध्यप्रदेश में हमारे बच्चे पढ़ें, इसलिए अच्छे स्कूल चाहिए सीएम राइज स्कूल, जनजाति क्षेत्रों में भी खोले जाएंगे 5-6 भवन । गणित के टीचर, विज्ञान के टीचर, अंग्रेजी के शिक्षक वह भी उपलब्ध कराए जाएंगे और गांव-गांव में नहीं 25-30 गांव के बीच में बहन मीना सिंह स्कूल खुलवाएगी, इनका विभाग स्कूल खुलवाएगा, ताकि जनजाति बेटा-बेटी भी ढंग की पढ़ाई कर सकें । कन्या शिक्षा परिसर हो या बाकी हमारे एकलव्य विद्यालय हो, प्रधानमंत्री जी उसका भी जाल बिछा रहे हैं, और इसके साथ-साथ मेरे बहनों और भाइयों किसान भाई जो है उनको मैं कहना चाहता हूं ।

नर्मदा जी का पानी आप देख रहे हैं, धार जिले में खरगोन जिले में, खंडवा जिले में, बड़वानी जिले में, अलीराजपुर जिले में, झाबुआ जिले में कौन लेकर आया, अरे कांग्रेस लाई क्या, नर्मदा जी का पानी कांग्रेस लाई क्या, जोर से बताओ लाई क्या, कौन ला रहे हैं, भारतीय जनता पार्टी की सरकार ला रही है, लेकिन आज एक बात और कहना चाहता हूं कि जिन आदिवासी भाइयों के खेत में पानी नर्मदा जी का नहीं पहुंच पाएगा वहां कपिलधारा के कुएं खोद कर उनकी जमीन को सिंचित बनाया जाएगा, ताकि ज्यादा फसल पैदा हो सके । इसके साथ मेरे बेटा-बेटियों प्रधानमंत्री जी के आशीर्वाद से मिलकर हमने सभी जनजाति क्षेत्रों में तय किया है, आदिवासी क्षेत्रों में भी तय किया है कि पीने का पानी जो कई रोगों की जड़ होता है वह पीने का पानी हैंड पंप से नहीं चूँकि फ्लोराइड मिक्स पानी पीते हैं, तो बीमारियां हो जाती हैं, अब बजाए उसके पाइप लाइन बिछाकर और आदिवासी के घर में भी टोंटी वाला नल लगाकर पानी दिया जाएगा, ताकि बहन नल खोलें तो झर-झर पानी आ जाए और बर्तन भर जाए ।

इस अभियान को भी हम तो आरंभ कर रहे हैं और जो वनोपज पैदा होती है, उस वनोपज को माटी के मोल नहीं बिकने दिया जाएगा, जैसे गेहूं खरीदते हैं वैसे मिनिमम सपोर्ट प्राइस में समर्थन मूल्य तय करके चाहे महुआ हो, चाहे तेंदूपत्ता हो, महुआ जैसी चीज को भी अचार की चिरौंजी, नीम की निंबोली, करंज का बीज, चाहे शहद जैसी चीज हो, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने का हम काम करेंगे । इसके साथ-साथ मेरे बेटा-बेटियों प्रधानमंत्री आवास योजना के मकान लगातार बन रहे हैं । कोई गरीब और आदिवासी आने वाले 4 साल में बिना मकान के नहीं रहेगा, सब को पक्का मकान बनाने पैसा दिया जाएगा और एक बात साथ में और मकान बनाने की रेता पास के खदान से फ्री में दिलवाई जाएगी, ताकि मकान सस्ता बन जाए ।

मेरे बहनों और भाइयों प्रधानमंत्री जी ने गरीब कल्याण अन्न योजना मार्च तक बढ़ा दी है । मार्च तक 5 किलो नि:शुल्क राशन मिलता रहेगा, गेहूं या चावल एक बार ताली बजाकर प्रधानमंत्री जी का अभिनंदन कीजिए, उनका स्वागत कीजिए । स्वास्थ्य के लिए आयुष्मान भारत योजना गांव-गांव में कार्ड बन रहे हैं, जिनके नहीं बने बनवा लेना, बहनों भाइयों और विशेषकर नौजवानों मामा का साथ तो दो, तुम भी कार्ड बनवाओ, बोलोगे कि नहीं और इसमें फायदा यह होगा कि 5 लाख़ तक का इलाज, प्राइवेट अस्पताल में भी फ्री में करवा कर दिया जाएगा, ताकि कोई गरीब इलाज के लिए परेशान न हो, आहार अनुदान योजना पहले से लागू है । हर गांव में चार ग्रामीण इंजीनियर वह गांव में इंजीनियरिंग का काम करेंगे, वह भी आदिवासी गांव में आदिवासी बेटा-बेटी बनाए जाएंगे, ताकि गांव में उन को रोजगार मिल जाए और एक बात और टंट्या मामा जो दूसरों का खून चूसते थे, उन्होंने जो अनैतिकता से धन कमाया है वापिस लेकर गरीबों में बांट देते थे । अब ध्यान से सुनना मेरी बात, हमने कानून बना दिया है, ब्याज पर पैसा देने वाले वह लोग जिन्होंने बिना लाइसेंस के ब्याज पर पैसा दे दिया और ऊंचे ब्याज की दरों पर पैसा दे दिया, पता चला जितना दिया उससे ज्यादा दे दिया और उतने ही और बकाया है, बताओ ऐसा कर्जा वापस करना चाहिए क्या, तो सुनो मध्यप्रदेश में यह कानून बना दिया है कि 15 अगस्त 2020 तक इन सूदखोरों ने ज्यादा ब्याज की दरों पर कर्जा दिया था, वह सारा कर्जा माफ किया जाता है, वह वापस नहीं देना पड़ेगा । यह शोषण से मुक्ति का अभियान भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने मैं पूरे प्रदेश में कह रहा हूं चाहे आदिवासी हो, गैर आदिवासी हो, गरीब हो, सूदखोर सुन ले, अगर किसी गरीब को परेशान किया तो सीधे हथकड़ी

लगाकर जेलों में चक्की पिसवाई जाएगी, अनैतिक काम करने वालों को हम किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ेंगे । मैं चाहता हूं कि शराब जैसी बुराई का नाश होना चाहिए, लेकिन मेरी बहन और भाइयों व्यवहारिक रूप से वह होती नहीं है, हमारी परंपराओं में कई कार्यक्रम ऐसे हैं, जिसमें शराब की जरूरत पड़ती है, बेटा-बेटी जन्म देता है तो धार लगाने की परंपरा है कि नहीं, शादी विवाह हो तो उसमें भी परंपरा है, अंतिम संस्कार हो तो उसमें भी परंपरा है, अब आदिवासी को तो परेशान करते हैं, और बालमुकुंद दारु बना-बनाकर बेचे, फैक्ट्रियां चलाएं उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता था । इसलिए सुनो जो नई आबकारी नीति आ रही है उसमें आदिवासी को परंपरागत रूप से शराब बनाने का भी हक होगा, और हेरीटेज शराब के नाम से वह शराब, शराब की दुकानों पर बेचने की अनुमति भी दी जाएगी । हम नशा मुक्ति अभियान भी चलाएंगे लेकिन बड़े-बड़े डिस्टलरी चलाएं और गरीब को पकड़ लो यह तो नहीं होगा भैया, बंद होगी तो हो जाएगी, जब पीना छोड़ देंगे, हम कोशिश करेंगे लेकिन तब तक उसका भी अधिकार होगा ।

मेरी बहनों और भाइयों हमारे जो बच्चे आईआईटी में, मेडिकल कॉलेज में, लॉ कर रहे हैं ऐसे बच्चों को मैं कह रहा हूं पिछले साल पिछले कुछ सालों में जेईई और नीट में जनजाति वर्ग के 740 बच्चों ने एडमिशन लिया है और इसलिए उनके जैसे जितने बच्चे होंगे फीस भरवाने का काम भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार करेगी ताकि हमारे प्रतिभाशाली बच्चे पढ़ते रहे और आगे बढ़ते रहें । यह आकांक्षा योजना के अंतर्गत करेंगे । अधोसंरचना विकास हो, चाहे आजीविका के काम हो, एक बात और कि हमारे जो सेंटर हैं जबलपुर, भोपाल, इंदौर हमारे जनजाति बेटा-बेटियों की काउंसलिंग करने के लिए अलग-अलग केंद्र खोले जाएंगे, वैसे विद्यार्थियों को मदद देने का केंद्र हम खोलेंगे, ताकि उनको और किसी चीज की दिक्कत न हो । मेरे बहनों और भाइयों मैंने प्रारंभ में आपको कहा था यह जनता की जिंदगी बदलने का अभियान है, इस अभियान हमें आप सबका साथ चाहिए बोलो मिलेगा और इसलिए हम हर बुराई को दूर करें, नशा मुक्ति अभियान भी चलाया जाएगा और उसके साथ-साथ हमारे हक और अधिकार देकर आदिवासी भाई-बहनों की जिंदगी बदलने का अभियान भी चलेगा, उसमें आप सब का साथ चाहिए । मैं एक बार फिर आप से अपील करता हूं, आइए हम सब साथ मिलकर चलें, अपना भाग्य और भविष्य हम अपने हाथों से सरकार के साथ बनाएं, मैं आपके साथ हूं, बोलिए आप सब साथ चलेंगे तो मेरे साथ दोनों हाथ ऊपर उठाकर दोनों मुट्ठी बांधकर भारत माता की....और टंट्या मामा की.... जय बोलेंगे । उठाइए दोनों हाथ बांधिये दोनों मुट्ठी और बोलिए

भारत माता की...जय, टंट्या मामा की..जय, जननायक क्रांतिसूर्य टंट्या भील की जय, और अब मैं सीधे बिना किसी भूमिका के गवर्नर साहब आज हैं हमारे बीच में और मध्य प्रदेश के पहले आदिवासी गवर्नर हैं, ताली बजाकर उनका स्वागत, उनका अभिनंदन कीजिए, ऐसे हमारे गवर्नर जो हमारी चिंता करते हैं, उन से मैं प्रार्थना करता हूं कि वह आए और यह जनजातीय आदिवासी भाई बहनों को संबोधित करें हमारे गवर्नर श्रीमान मंगू भाई पटेल ।